एपेक्स इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसीन एवं हॉस्पिटल

एपेक्स वेलकेयर ट्रस्ट द्वारा संचालित मल्टी स्पेशियलिटी हेल्थ केयर, आयुर्वेदिक रिसर्च संस्थान

एन. एच. 7, वाराणसी– मीरजापुर रोड, समसपुर, हवेली, चुनार, जि. मीरजापुर

फो.: 9628214214, 9415626497 ईमेल: aims.mzp@gmail.com

Date : 28/11/2024

Ref. No.AIAMH/2024/259

सेवा में,

डॉ0 शैलेन्द्र कुमार सिंह
एसोसिएट प्रोफेसर, विभागाध्यक्ष–रोग निदान
राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल
हण्डिया, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश राज्य कोऑडिनेटर–"देश का प्रकृति परीक्षण" अभियान

विषयः– "देश का प्रकृति परीक्षण" अभियान से सम्बन्धित ट्रेनिंग देने के सम्बन्ध में

महोदय,

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा "देश का प्रकृति परीक्षण" अभियान का शुभआरम्भ आयुर्वेदा दिवस के दिन 29 अक्टूबर, 2024 को ऑल इण्डिया इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेदा, नई दिल्ली में किया गया है।

भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग, भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा आपको उत्तर प्रदेश राज्य का स्टेट कोऑडिनेटर नामित किया गया है।

उपरोक्त विषयान्तर्गत आपसे अनुरोध है कि दिसम्बर, 2024 के प्रथम सप्ताह में **एपेक्स इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसीन एण्ड हॉस्पिटल**, एन0एच035, समसपुर, चुनार, मीरजापुर, उ.प्र में उपस्थित होकर छात्र/छात्राओं एवं फैकल्टीगण को "देश का प्रकृति परीक्षण" अभियान का ट्रेनिंग देने की कृपा करें।

धन्यवाद!

डीन

प्रो. डॉ0 सुनिल मिस्त्री
एपेक्स इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसीन एण्ड हॉस्पिटल
DEAN
Apex Institute of Ayurvedic
Medicine & Hospital
Samaspur,Chunar,Mirzapur, U.P

APEX INSTITUTE OF AYURVEDIC MEDICINE & HOSPITAL
AIAMH
CHUNAR MIRZAPUR

सत्यमेव जयते
आयुष मंत्रालय, भारत सरकार
MINISTRY OF AYUSH, GOVT OF INDIA

ncism
॥ आयुषे सर्वलोकानाम् ॥

आयुष मंत्रालय, भारत सरकार

भारतीय चिकित्सा पद्धती राष्ट्रीय आयोग

देश का प्रकृति परीक्षण अभियान

संकल्प स्वास्थ्य का
आधार आयुर्वेद का

जुड़िये देश के प्रकृति परीक्षण अभियान से, एक कदम स्वस्थ भारत की ओर!

डॉ शैलेन्द्र कुमार सिंह (एसोसिएट प्रोफेसर)

विभागाध्यक्ष–रोग निदान, राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल, हँडिया, प्रयागराज
राज्य कोऑर्डिनेटर – " देश का प्रकृति परीक्षण अभियान, उत्तर प्रदेश

26 नवंबर 2024 से 25 दिसंबर 2024

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें https://prakrutiparikshan-ncism.com/join-the-abhiyaan

प्रो. डॉ. एस के सिंह, चेयरमैन । **प्रो. डॉ. सुनील मिस्त्री,** डीन । **प्रो. डॉ. पी के सिंह,** प्रधानाचार्य

कॉलेज कोऑर्डिनेटर : **डॉ रिचा राय,** प्रोफेसर एण्ड एचओडी । **डॉ आभा सिंह,** एसोसिएट प्रोफेसर । **डॉ ओम हर्ष यति,** आरएमओ

क्रिया शारीर विभाग

एपेक्स इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एण्ड हॉस्पिटल

नेशनल हाइवे-35 समसपुर, चुनार, मिर्जापुर - 231304 | 9893926205, 8604739297

आयुष मंत्रालय, भारत सरकार

भारतीय चिकित्सा पद्धती राष्ट्रीय आयोग

देश का प्रकृति परीक्षण अभियान

जुड़िये देश के प्रकृति परीक्षण अभियान से,
एक कदम स्वस्थ भारत की ओर!

प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि

डॉ शैलेन्द्र कुमार सिंह (एसोसिएट प्रोफेसर) विभागाध्यक्ष–रोग निदान, राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल, हँडिया, प्रयागराज

राज्य कोऑर्डिनेटर - "देश का प्रकृति परीक्षण'' अभियान, उत्तर प्रदेश द्वारा दिनांक 4 दिसम्बर, 2024 को **एपेक्स इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एण्ड हॉस्पिटल**, चुनार में उपस्थित होकर आयुर्वेद फैकल्टी एवं छात्र-छात्राओं को **देश के प्रकृति परीक्षण अभियान** से संबंधित जानकारी साझा की गई।

संस्था आपकी इस बहुमूल्य सहभागिता एवं समय के लिए हृदय से धन्यवाद ज्ञापित करती है।

संकल्प स्वास्थ्य का
आधार आयुर्वेद का

Prof. Dr. P K Singh
Principal
Apex Institute of Ayurvedic Medicine & Hospital
Samaspur, Chunar, Mirzapur

Prof. Dr. Sunil Kr. Mistry
Dean
Apex Trust Institute
Samaspur, Chunar, Mirzapur

Dr. S. K. Singh
Chairman
Apex Group of Higher & Professional
Medical Education & Hospital

देश का प्रकृति परीक्षण अभियान

देश का प्रकृति परीक्षण अभियान

National Health Status
Goals and Policies

देश का प्रकृति परीक्षण अभियान

देश का प्रकृति परीक्षण अभियान

देश का प्रकृति परीक्षण अभियान

देश का प्रकृति परीक्षण अभियान

दैनिक भास्कर
epaper.dainikbhaskarup.com
07 Dec 2024 - DB Lucknow 07 DEC 2024 WEB10

एपेक्स आयुर्वेद कॉलेज में आयुर्वेद पद्धति से स्वास्थ्य संरक्षण हेतु राष्ट्रीय प्रकृति परीक्षण अभियान का शुभारंभ

भास्कर ब्यूरो

मिर्जापुर। एपेक्स इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड हॉस्पिटल, चुनार, मिर्जापुर में आयुष मंत्रालय, भारत सरकार एवं भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग के निर्देशन में देश का प्रकृति परीक्षण अभियान विषय संकल्प स्वास्थ्य का आधार आयुर्वेद पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. शैलेन्द्र कुमार सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, रोग निदान विभाग, राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज एवं हॉस्पिटल, प्रयागराज, राज्य समन्वयक, देश का प्रकृति परीक्षण अभियान, उत्तर प्रदेश, डीन प्रो. सुनील मिस्त्री, प्रधानाचार्य प्रो. पी.के. सिंह, डॉ. भावना द्विवेदी, डॉ. रिचा राय, डॉ. आभा सिंह, प्रो. वीरेंद्र कुमार, डॉ. मनोज सिंह, डॉ. गौरी चौहान सहित समस्त आयुर्वेदिक फैकल्टी और छात्र-छात्राओं की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन कर किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. शैलेन्द्र कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि आयुर्वेदिक प्रकृति परीक्षण एक वैज्ञानिक पद्धति है, जो प्रत्येक व्यक्ति की शारीरिक और मानसिक प्रकृति के अनुसार जीवनशैली, आहार एवं उपचार का सुझाव देती है। उन्होंने इसे स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने और आयुर्वेद के सिद्धांतों को आम जन तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। डीन प्रो. सुनील मिस्त्री एवं प्रधानाचार्य प्रो. पी.के. सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए प्रकृति परीक्षण के महत्व, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और इसके स्वास्थ्य लाभों पर विस्तृत चर्चा की गई। आयुर्वेद की प्राचीन ज्ञान परंपरा को आधुनिक जीवनशैली से जोड़ने और लोगों को उनके प्रकृति के अनुरूप स्वास्थ्य संबंधी सुझाव देने की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

हिन्दुस्त
5.12.24

लोगों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद जरूरी

चुनार एपेक्स ट्रस्ट एवं हॉस्पिटल में उपस्थित आयुर्वेद चिकित्सक।

चुनार हिन्दूस्तान संवाद। एपेक्स इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड हॉस्पिटल चुनार में आयुष मंत्रालय, भारत सरकार एवं भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग के निर्देशन में देश का प्रकृति परीक्षण अभियान विषय संकल्प स्वास्थ्य का आधार आयुर्वेद पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. शैलेन्द्र कुमार सिंह, राज्य समन्वयक, देश का प्रकृति परीक्षण अभियान, उत्तर प्रदेश, डीन प्रो. सुनील मिस्त्री, प्रधानाचार्य प्रो. पीके. सिंह, डॉ. भावना द्विवेदी आदि ने किया।

घटनाएं समाचार mzp 5.12.24

एपेक्स आयुर्वेद कॉलेज में आयुर्वेद पद्धति से स्वास्थ्य संरक्षण हेतु राष्ट्रीय प्रकृति परीक्षण अभियान का शुभारंभ

मिर्जापुर।एपेक्स इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड हॉस्पिटल, चुनार, मिर्जापुर में आयुष मंत्रालय, भारत सरकार एवं भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग के निर्देशन में देश का प्रकृति परीक्षण अभियान विषय संकल्प स्वास्थ्य का आधार आयुर्वेद पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. शैलेन्द्र कुमार सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, रोग निदान विभाग, राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज एवं हॉस्पिटल, प्रयागराज, राज्य समन्वयक, देश का प्रकृति परीक्षण अभियान, उत्तर प्रदेश, डीन प्रो. सुनील मिस्त्री, प्रधानाचार्य प्रो. पी.के. सिंह, डॉ. भावना द्विवेदी, डॉ. रिचा राय, डॉ. आभा सिंह, प्रो. वीरेंद्र कुमार, डॉ. मनोज सिंह, डॉ. गौरी चौहान सहित समस्त आयुर्वेदिक फैकल्टी और छात्र-छात्राओं की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन कर किया गया।

मुख्य अतिथि डॉ. शैलेन्द्र कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि आयुर्वेदिक प्रकृति परीक्षण एक वैज्ञानिक पद्धति है, जो प्रत्येक व्यक्ति की शारीरिक और मानसिक प्रकृति के अनुसार जीवनशैली, आहार एवं उपचार का सुझाव देती है। उन्होंने इसे स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने और आयुर्वेद के सिद्धांतों को आम जन तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया।

डीन प्रो. सुनील मिस्त्री एवं प्रधानाचार्य प्रो. पी.के. सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए प्रकृति परीक्षण के महत्व, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और इसके स्वास्थ्य लाभों पर विस्तृत चर्चा की गई। आयुर्वेद की प्राचीन ज्ञान परंपरा को आधुनिक जीवनशैली से जोड़ने और लोगों को उनके प्रकृति के अनुरूप स्वास्थ्य संबंधी सुझाव देने की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

एपेक्स के चेयरमैन प्रो. डॉ. एस.के. सिंह ने भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग एवं आयुष मंत्रालय की इस पहल का स्वागत करते हुए इसे एक अद्वितीय और सराहनीय कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह अभियान न केवल स्वास्थ्य सुधार में मदद करेगा बल्कि आयुर्वेद को वैश्विक मंच पर मजबूत आधार प्रदान करेगा।

समाचार धारा mzp 5.12.24

एपेक्स आयुर्वेद कॉलेज में आयुर्वेद पद्धति से स्वास्थ्य संरक्षण हेतु राष्ट्रीय प्रकृति परीक्षण अभियान का शुभारंभ

मिर्जापुर (समाचार धारा)।

एपेक्स इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड हॉस्पिटल, चुनार, मिर्जापुर में आयुष मंत्रालय, भारत सरकार एवं भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग के निर्देशन में देश का प्रकृति परीक्षण अभियान विषय संकल्प स्वास्थ्य का आधार आयुर्वेद पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. शैलेन्द्र कुमार सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, रोग निदान विभाग, राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज एवं हॉस्पिटल, प्रयागराज, राज्य समन्वयक, देश का प्रकृति परीक्षण अभियान, उत्तर प्रदेश, डीन प्रो. सुनील मिस्त्री, प्रधानाचार्य प्रो. पी.के. सिंह, डॉ. भावना द्विवेदी, डॉ. रिचा राय, डॉ. आभा सिंह, प्रो. वीरेंद्र कुमार, डॉ. मनोज सिंह, डॉ. गौरी चौहान सहित समस्त आयुर्वेदिक फैकल्टी और छात्र-छात्राओं की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन कर किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. शैलेन्द्र कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि आयुर्वेदिक प्रकृति परीक्षण एक वैज्ञानिक पद्धति है, जो प्रत्येक व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक प्रकृति के अनुसार जीवनशैली, आहार एवं उपचार का सुझाव देती है। उन्होंने इसे स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने और आयुर्वेद के सिद्धांतों को आम जन तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। डीन प्रो. सुनील मिस्त्री एवं प्रधानाचार्य प्रो. पी.के. सिंह ने भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग एवं आयुष मंत्रालय की इस पहल का स्वागत करते हुए इसे एक अद्वितीय और सराहनीय कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह अभियान न केवल स्वास्थ्य सुधार में मदद करेगा बल्कि आयुर्वेद को वैश्विक मंच पर मजबूत आधार प्रदान करेगा।